

नवमः पाठः

खेलक्षेत्रम्



- रमेशः** - मित्र रहीम! इदानीं सन्ध्याकालः वर्तते। चल, खेलक्षेत्रे गच्छाव।
- रहीमः** - खेलक्षेत्रम् अस्माकं मनोरञ्जनस्य व्यायामस्य च स्थलं भवति। अवश्यं गमिष्यामि।
(मार्गे शीला मिलति)
- शीला** - युवां कुत्र गच्छथः?
- रहीमः** - आवां खेलक्षेत्रं गच्छावः। किं तवापि इच्छा खेलक्षेत्रस्य भ्रमणाय अस्ति? यदि वर्तते तदा त्वमपि चल।
(सर्वे खेलक्षेत्रं प्रविशन्ति)
- रमेशः** - अत्र अनेके बालकाः बालिकाश्च सन्ति। केचित् कन्दुकेन खेलन्ति। अपरे कन्दुकक्रीडां पश्यन्ति।
- शीला** - आम् आम्! कन्दुकं लक्ष्यं प्रविशति तदा महान् कोलाहलो भवति। पुनः केन्द्रस्थाने कन्दुकं नयन्ति बालकाः। तदा नवीना क्रीडा भवति।
- सीमा** - शीले! त्वमत्र कन्दुकक्रीडां पश्यसि। चल, तत्र बालिकाः बैडमिन्टनखेलं खेलन्ति। अन्याः तं खेलं पश्यन्ति।

शीला - चल, आवां खेलदर्शनाय तत्र गच्छाव। इदं खेलक्षेत्रं विशालम्। अनेकाः क्रीडाः अत्र भवन्ति। खेलक्षेत्रस्य दर्शनेन महान् उत्साहः आनन्दश्च भवतः। अतः वयं खेलक्षेत्रं सन्ध्याकाले प्रतिदिनं गच्छामः।

(खेलक्षेत्रस्य दर्शनात् परं सर्वे स्वं स्वं गृहं गच्छन्ति।)

शब्दार्थः

इदानीम्	=	इस समय, अभी
सन्ध्याकालः	=	शाम का समय
वर्तते	=	है
खेलक्षेत्रे	=	खेल के मैदान में
गच्छाव	=	(हम दोनों) चलें
अस्माकम्	=	हम लोगों का
मनोरंजनस्य	=	मनोरंजन का
स्थलम्	=	जगह
भवति	=	होता है / है
मार्गे	=	रास्ते में
युवाम्	=	तुम दोनों
तवापि (तव+अपि)	=	तुम्हारा भी
भ्रमणाय	=	घूमने के लिए
केचित्	=	कोई
पश्यन्ति	=	देखते हैं
कोलाहलः	=	शोरगुल
केन्द्रस्थाने	=	बीच में, मध्य में
नवीना	=	नयी
त्वमत्र (त्वम् + अत्र)	=	तुम यहाँ
अन्याः	=	दूसरे लोग (स्त्रीलिंग)

दर्शनाय	=	देखने के लिए
दर्शनेन	=	देखने से/देखकर
अतः	=	इसलिए
दर्शनात्	=	देखने के बाद/देखने से
स्वं - स्वम्	=	अपने - अपने
गच्छन्ति	=	जाते हैं

व्याकरणम्

1. अनुस्वार और म् का प्रयोग

संस्कृत भाषा के शब्दरूपों और धातुरूपों में 'म्' का ही प्रयोग होता है। जैसे - अहम्, आवाम्, वयम् । इसलिए किसी शब्द का मौलिक रूप 'म्' से ही बनता है। किन्तु 'म्' की संधि होने पर कहीं कहीं अनुस्वार (ँ) हो जाता है। व्यंजन वर्ण के पूर्व 'म्' का अनुस्वार होता है; जैसे - अहम्+हसामि - अहं हसामि।

अस्माकम्+गृहम् - अस्माकं गृहम्।

स्वर वर्ण के पूर्व अथवा विराम चिह्न के पूर्व म् नहीं बदलता, जैसा का तैसा रहता है। जैसे - गच्छामि अहम्।

अहम् आनयामि - अहमानयामि। अहम्+एव - अहमेव। इन्हें मिलाकर लिखना अच्छा है किन्तु नहीं मिलाने की स्थिति में म् ही लिखें, अनुस्वार कभी न दें।

2. स्थानवाचक अव्यय

संस्कृत में त्र (त्रल्) प्रत्यय से स्थानवाचक अव्यय बनते हैं जैसे -

इदम् + त्र	=	अत्र (यहाँ, इस स्थान पर)
किम् + त्र	=	कुत्र (कहाँ, किस स्थान पर)
तद् + त्र	=	तत्र (वहाँ, उस स्थान पर)
सर्व + त्र	=	सर्वत्र (सभी स्थानों पर)
पर + त्र	=	परत्र (दूसरे स्थान पर)

3. विशेषण - विशेष्य-सम्बन्ध-

(विशेष्यं यादृशं वाक्ये तादृशं स्याद् विशेषणम्)

किसी वाक्य में जिस लिंग और वचन का विशेष्य होता है उसी लिंग और वचन का प्रयोग विशेषण में भी होता है। इतना ही नहीं, विशेषण में विभक्ति भी विशेष्य के अनुसार ही होती है। निम्नलिखित उदाहरणों को देखें -

सुन्दरम् पुष्पम् (सुन्दर फूल)।

पक्वानि फलानि (पके हुए फल)।

निपुणाः छात्राः (तेज लड़के, तेज लड़कियाँ)।

अल्पानि चित्राणि (कम चित्र)।

मूर्खस्य सेवकस्य (मूर्ख सेवक का)।

शोभने सरोवरे (सुन्दर तालाब में)।

निकटात् ग्रामात् (समीप के गाँव से)।

निर्धनाय छात्राय (गरीब छात्र के लिए)।

पीतेन वस्त्रेण (पीले कपड़े से)।

उष्णं जलम् (गर्म पानी)।

शुष्कः काष्ठः (सूखी लकड़ी)।

गम्भीरः शिक्षकः (गम्भीर शिक्षक)।

अभ्यासः

मौखिकः

1. कोष्ठगत शब्दों को सही रूपों में बदलकर रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :-

जैसे- अहं विद्यालयं गच्छामि। (विद्यालय)

(क) सः खादति। (ओदन)

(ख) इदानीं वर्तते। (संध्याकाल)

(ग) युवां कुत्र। (गम् = गच्छ)

(घ) तदा नवीना क्रीडा। (भू = भव)

(ङ) त्वं संध्याकाले प्रतिदिनं। (पठ्)

2. निम्नलिखित शब्दों से एक-एक वाक्य बनाएँ :-

इदानीम्, खेलक्षेत्रम्, बालकाः, कन्दुकम्, विशालः ।

3. निम्नांकित रिक्तियों को भरकर वाक्य-निर्माण करें :-

जैसे—	बालकः	पुस्तकं	पठति
(क)	अश्वः	घासम् (तृणम्) ।
(ख)	अजा	फलम् ।
(ग)	गजः	भारम् ।
(घ)	फलम्	क्रीणाति ।
(ङ)	शनैः शनैः	धावति ।

लिखितः

4. उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थान भरें :-

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	क्रीडति	क्रीडतः	क्रीडन्ति
मध्यम पुरुष	क्रीडसि	क्रीडथ
उत्तम पुरुष	क्रीडावः

5. निम्नलिखित शब्दों को सुमेलित करें :-

(i) खेलक्षेत्रम्	(क) मिलति
(ii) शीला	(ख) कोलाहलः
(iii) महान्	(ग) विस्तृतम्
(iv) नवीना	(घ) संध्याकालः
(v) इदानीम्	(ङ) क्रीडा

6- fuEufyf[kr okD;ksa dks lqesfyr djsa %µ

- | | |
|-----------------------------------|-----------------------------------|
| (क) इस समय सबेरा है। | (i) अत्र केवलाः बालिकाः खेलन्ति। |
| (ख) चलो, घर चलें। | (ii) इदानीं प्रातः कालः वर्तते। |
| (ग) यहाँ केवल लड़कियाँ खेलती हैं। | (iii) अत्र अनेकाः क्रीडाः भवन्ति। |
| (घ) यह मैदान विशाल है। | (iv) चल, गृहं चलामः। |
| (ङ) यहाँ अनेक खेल होते हैं। | (v) इदं खेलक्षेत्रं विशालम्। |

7. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखें :-

- (क) खेलक्षेत्रः
- (ख) व्यामस्य
- (ग) भर्मणाय
- (घ) कनदुकम्
- (ङ) क्रिडा

8. उत्तराणि लिखत :-

- (क) खेलक्षेत्रं किमर्थं भवति ?
- (ख) आवां कुत्र गच्छामः ?
- (ग) सर्वे कुत्र प्रविशन्ति ?
- (घ) कदा महान् कोलाहलो भवति ?
- (ङ) वयं संध्याकाले कुत्र गच्छामः ?

